International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 7, July 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

बदलते परिवेश में विद्यार्थियों के जीवन में स्वास्थ्य शिक्षा का महत्व एवं इसमें शिक्षक का योगदान

अबधेष सिंह

भूमिका :– स्वास्थ्य वह स्वस्थ दशा है, जिसमें शरीर और मस्तिष्क के समस्त कार्य सामान्य रूप से सक्रियतापूर्वक सम्पन्न होते हैं। प्रत्येक विद्यालय का कर्तव्य है कि विद्यार्थियों को उत्तम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के सम्बंध में बतायें, अनेक ऐसे विषय हैं। जिनके बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देना अत्यन्त आवश्यक हैं। विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को प्रारम्भ से ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाया जाय, तो परिवार को खुशियॉ , समाज एवं राष्ट्र को समृद्वि प्राप्ति होगी, इसी में राष्ट्र का कल्याण हैं। अतः स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को पाठ्यक्रम में स्थान आज की आवश्यकता बन गयी है।

प्राचीन भारत में शिक्षा को अत्याधिक महत्व दिया जाता था। इसका प्रमाण यह है कि शिक्षा को ज्ञान चक्षु और मनुष्य का तीसरा नेत्र माना जाता है। शिक्षा व्यक्ति को वास्तविक शक्ति से सम्पन्न करती है। उसके सुख और समृद्व में योगदान देती है। आधुनिक युग में शिक्षा बिना जीवन अधूरा है। मनुष्य जीवन की प्रगति शिक्षा पर आधारित है। इसके लिये आज के युग में शिक्षा का महत्व अधिक है। विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिये स्वस्थ्य एवं निरोगी होना आवश्यक है। इसी कारण स्वास्थ्य शिक्षा का महत्व बढता जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति की इच्छा स्वस्थपूर्ण जीवन की होती है। विद्यार्थी के स्वास्थ्य का उसके पर्यावरण , अपने आस–पास का वातावरण रहने की अनुकूलता घर का वातावरण आवश्यक रूप से सभी के साथ संबंध है। किसी भी राष्ट्र की वर्तमान स्थिति एवं भावी उन्नति उस राष्ट्र के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रभावित करने वाले कारक है– आहार , स्वच्छता और स्वास्थ्य। भारत का सामाजिक और आर्थिक भविष्य , विद्यार्थियों के वृद्वि और खुशहाली पर ही निर्भर है, इस हेतु अच्छा स्वास्थ्य शिक्षा जरूरी हैं।

अध्ययन की आवश्यकता :– विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण हेतु शिक्षा प्राप्त करना जितना आवश्यक है, जीवन में स्वास्थ्य शिक्षा का महत्व भी उतना ही है। विद्यार्थी समाज का प्रतिनिधि है। शिक्षा द्वारा विद्यार्थी को स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देकर उनकी जागरूकता बढाई जा सकती है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के बारे में परेशानियॉ दूर करने का यह सफल प्रयास होगा।

अध्ययन के उद्देश्य :–

1. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के छात्र–छात्राओं की स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन् करना।
2. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति शिक्षकों के योगदान का अध्ययन करना।

अध्ययन् की परिकल्पना :–

1. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नही होता है।
2. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के शिक्षकों में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नही होता है।
3. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के छात्रों में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नही होता है।
4. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के छात्राओं में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नही होता है।

न्यादर्श :–

शोध अध्ययन हेतु फिरोजाबाद जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 50–50 विद्यार्थी एवं 13–13 शिक्षकों कों न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शोध उपकरणः–

शोध अध्ययन हेतु स्वरचित प्रश्नावली का उपयोग किया है। प्रश्नावली को दो भागों में बॉटा गया।

1. विद्यार्थियों के लिये स्वरचित प्रश्नावली में 30 कथन हैं, जो स्वास्थ्या, भोजन, स्वच्छता, व्यायाम, विद्यालय आदि से संबंध हैं।
2. शिक्षकों के लिये स्वरचित प्रश्नावली से 15 कथन हैं, जो स्वास्थ्या, भोजन, स्वच्छता, व्यायाम, विद्यालय आदि से संबंध हैं

अध्ययन विधि :–

शोधकर्ता ने वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है।

तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या :–

परिकल्पना –1 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता के प्रदत्तों का मध्यमान, मानक विचलन, टी मूल्य निम्न प्रकार से दर्शाया गया है–

सारणी क्रमांक–1

विद्यार्थी	सं0	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य	सार्थक
शा0 वि0 के विद्यार्थी	50	24.44	3.73	2.31	सार्थक 0.05 स्तर पर
अशा0 वि0 के विद्यार्थी	50	22.68	4.06		

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 24.44, तथा 22.68 प्राप्त हुआ। मध्यमानों में अंतर की सार्थकता की जॉच हेतु टी–परीक्षण किया गया। जिसका मान 2.31 प्राप्त हुआ । यह मान 0.05 स्तर पर न्यूनतम 1.98 से अधिक है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना :–2 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के शिक्षकों में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता के प्रदत्तों का मध्यमान, मानक विचलन, टी मूल्य निम्न प्रकार से दर्शाया गया है–

सारणी क्रमांक–2

विद्यार्थी	सं0	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य	सार्थक
शा0 वि0 के शिक्षक	13	10.53	1.49	6.00	सार्थक 0.01 स्तर पर
अशा0 वि0 के शिक्षक	13	14.01	1.15		

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के शिक्षकों का स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति योगदान का मध्यमान क्रमशः
10.53 एवं 14.01 है। मध्यमानों में अतंर की सार्थकता की जॉच हेतु टी–परीक्षण किया गया। जिसका मान 6.0 प्राप्त हुआ, जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना :–3 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के छात्रों में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति योगदान के प्रदत्तों का मध्यमान,, मानक विचलन, टी मूल्य निम्न प्रकार से दर्शाया गया है–

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारणी क्रमांक–3

विद्यार्थी	सं0	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य	सार्थक
शा0 वि0 के छात्र	25	23.76	3.74	3.88	सार्थक 0.01 स्तर पर
अशा0 वि0 के छात्र	25	21.08	2.87		

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के छात्रों का स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 23.76 तथा 21.08 प्राप्त हुआ। मध्यमानों में अतंर की सार्थकता की जॉच हेतु टी–परीक्षण किया गया। जिसका मान 3.88 प्राप्त हुआ, यह मान 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना :–4 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के छात्राओं में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति योगदान के प्रदत्तों का मध्यमान,, मानक विचलन, टी मूल्य निम्न प्रकार से दर्शाया गया है–

सारणी क्रमांक–4

विद्यार्थी	सं0	मध्यमान	मानक विचलन	टी मूल्य	सार्थक
शा0 वि0 के छात्रायें	25	25.12	3.81	0.87	सार्थक 0.01 स्तर पर सार्थक नही है।
अशा0 वि0 के छात्रयें	25	24.28	3.01		

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के छात्राओं का स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 25.12 तथा 24.28 प्राप्त हुआ। मध्यमानों में अतंर की सार्थकता की जॉच हेतु टी–परीक्षण किया गया। जिसका मान 0.87 प्राप्त हुआ, जो कि मान 0.01 स्तर पर सार्थक नही है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

1. शासकीय विद्यालय में विद्यार्थियों की स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों से उच्च होती है।
2. अशासकीय विद्यालय के शिक्षकों का बच्चों के स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति योगदान अधिक होता है।
3. शासकीय विद्यालय के छात्रों में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता अधिक होती है।
4. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय की छात्राओं में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नही है।